B-2

L-20

दिनांक
2-01-24

वर्षा के प्रकार

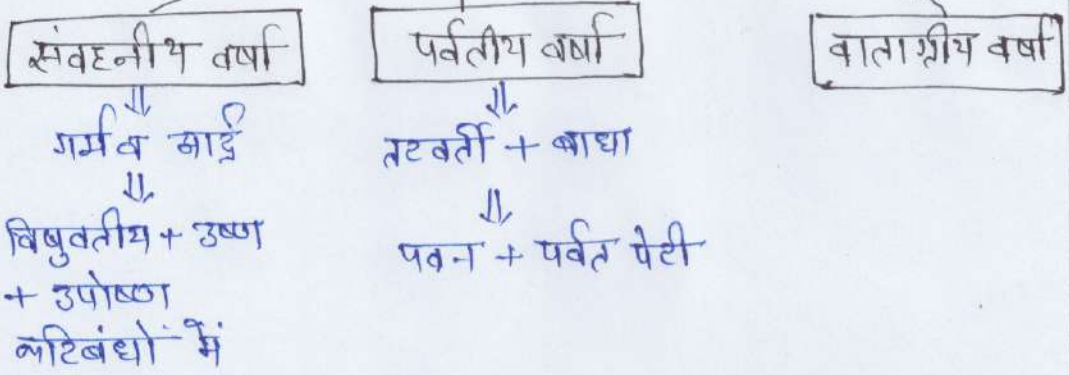

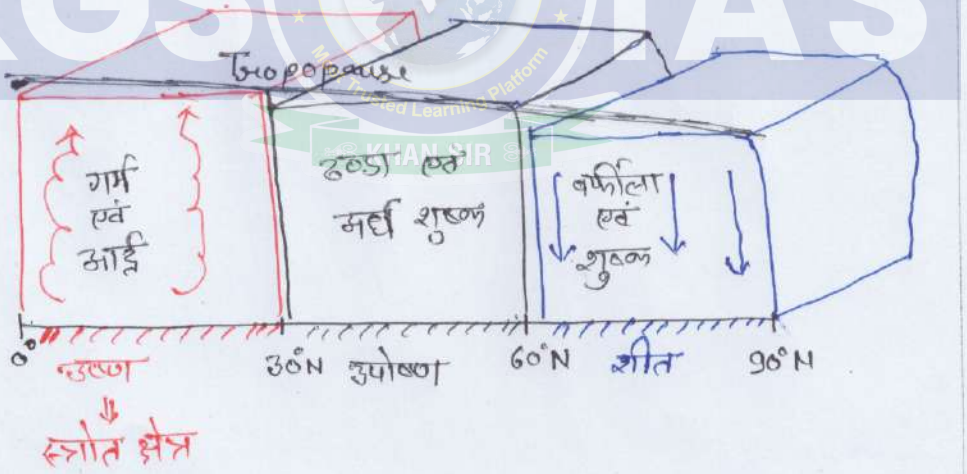

- संवहनीय वर्षा
  - ⇓ गर्म व आर्द्र
  - ⇓ विषुवतीय + उष्ण + उपोष्ण कटिबंधों में
- पर्वतीय वर्षा
  - ⇓ तटवर्ती + बाधा
  - ⇓ पवन + पर्वत पेटी
- वाताग्रीय वर्षा

वायु राशि एवं वाताग्र

वायुराशि ⇒ वायु के बड़े पुंज जिनमें लगभग समान भौतिक दशायें पायी जाती हैं। इनका विस्तार सतह से क्षोभ सीमातल होता है।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
© KHAN SIR ©

वाताग्र

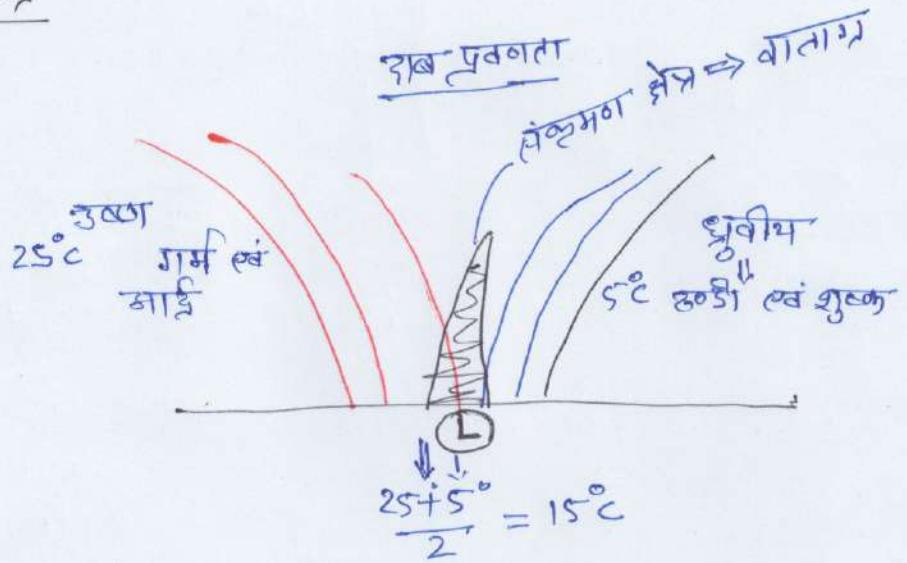

* दो वायु राशियों के बीच की सीमा के मध्य का संक्रमण क्षेत्र वाताग्र कहलाता है।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

चक्रवात (Cyclones)

उष्ण कटिबंधीय चक्रवात :-

- चक्रवाती तूफान विशाल वायु राशी के घूर्णनशील उष्णकटिबंधीय चक्रीय बवंडर होते हैं।
- तीव्र हवाओं वाले उग्र आंधी तूफान अपने साथ मूसलाधार वर्षा लाते हैं।
- कर्क और मकर रेखा के मध्य स्थित क्षेत्रों (उष्ण कटिबंध) में उत्पन्न होने वाला चक्रवात।
- इन चक्रवातों की गति, आकार तथा मौसम संबंधी दशाओं में पर्याप्त भिन्नता पायी जाती है।

- इस चक्रवात के मध्य में न्यूनदाब होता है और समदाब रेखायें वृत्ताकार होती हैं और केन्द्र से बाहर की ओर वायुदाब तीव्रता से बढ़ता है जिसके कारण हवाएं बाहर से केंद्र की ओर तेजी से चलती हैं और ऊपर उठती हैं।

- इन चक्रवातों का व्यास सामान्यतः 50 किमी से 200 किमी तक होता है। किंतु 50 किमी से कम व्यास वाले चक्रवात भी उत्पन्न होते हैं।

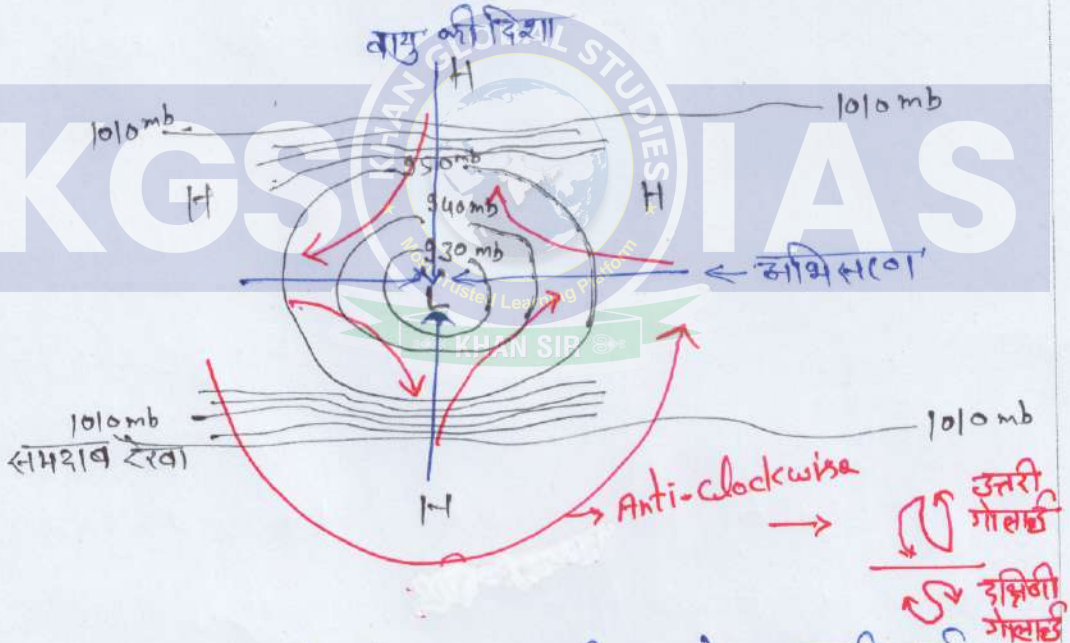

⇒ निम्नदाब के क्षेत्र में अन्दर की ओर घूमती हुई हवा।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
KHAN SIR

प्रति-चक्रवात (Anti-Cyclone)

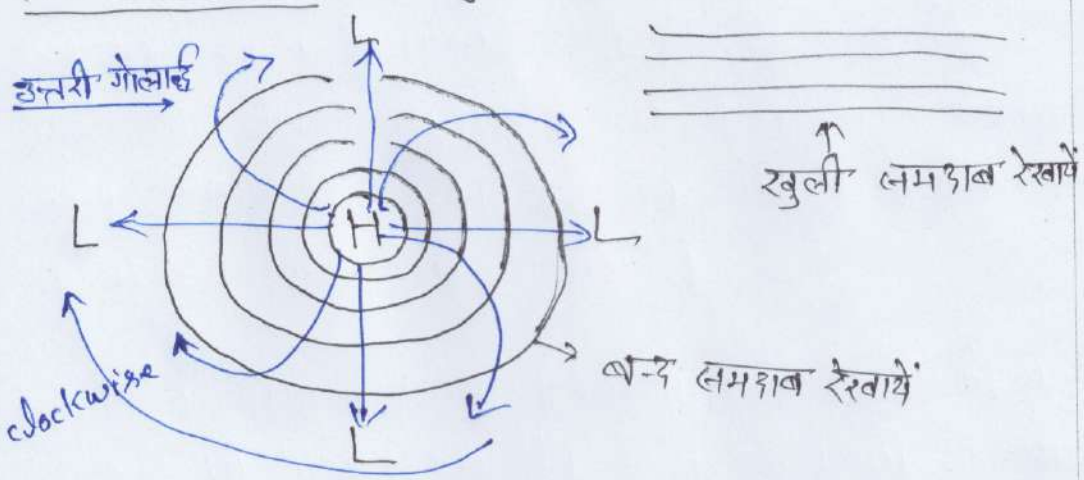

⇒ प्रति-चक्रवात उत्तरी गोलार्द्ध में घड़ी की दिशा में चलता है।

→ गति ⇒ 30 Km से 120 Km/hr

- हरिकेन अधिक प्रचंड चक्रवात होता है।
- इनकी गति अबाध सागरों के ऊपर अधिक एवं स्थलीय भागों में क्षीण हो जाते हैं।
- महासागरीय द्वीपों तथा सागर तटीय भागों पर इनका सर्वाधिक प्रभाव होता है।
- ये अधिकांशतः ग्रीष्मकाल में उत्पन्न होते हैं एवं अत्यंत विनाशकारी होते हैं।

→ इनके लगभग प्रत्येक भाग में वर्षा होती है।

- ये सदैव गतिशील नहीं होते हैं और कभी-कभी एक ही स्थान पर कई दिनों तक ठहर जाते हैं एवं अत्यधिक वर्षा करते हैं।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform

- उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के मार्ग विभिन्न क्षेत्रों में भिन्न-भिन्न होते हैं किन्तु सामान्यतः ये व्यापारिक हवाओं की दिशा में पूर्व से पश्चिम की ओर अग्रसर होते हैं।

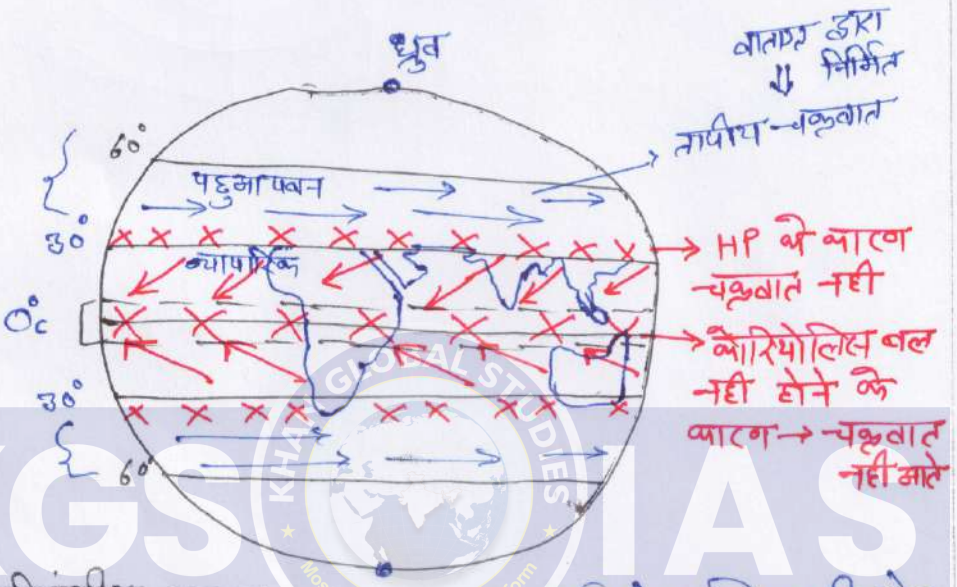

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

उष्णकटिबंधीय चक्रवात → पूर्व से पश्चिम की ओर
⇓ व्यापारिक पवन पेटी में
⇓ पूर्वी तट पर आते हैं।

A
- टाइफून – जापान व चीन
- बेजियो – फिलिपींस

b चक्रवात – भारत

c हरिकेन – USA, कैरेबियन द्वीपों पर

D विलिविलि – ऑस्ट्रेलिया

⇓ पूर्व दशायें ⇒ - समुद्री सतह का तापमान ≥ 26°c
- केवल सागर (जलाशय) में बनते हैं।
→ उपयुक्त कोरियोलिस बल का विचलन
→ ऊपरी वायुमंडलीय प्रति-चक्रवातीय दशा (HP)